DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

नई दिल्ली। रविवार • 26 फरवरी • 2023 | राष्ट्रीय सहारा ----------DATED---------- millenniumpost NEW DELHI | SUNDAY, 26 FEBRUARY

पीडब्ल्यूडी का अतिक्रमण विरोधी अभियान, लोग विरोध में उतरे

नई दिल्ली (आईएएनएस)। दिल्ली के आईटीओ क्षेत्र के पास पीडब्ल्यूडी का अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी है। आईटीओ स्थित लुटियन जोन के पास लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) विभाग ने अतिक्रमण विरोधी अभियान चला रखा है। अभियान के तहत

मध्य दिल्ली में कड़ी सुरक्षा के बीच फुटपाथ पर बने धार्मिक ढांचे तोड़े

पीडब्ल्यूडी ने शनिवार को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच मध्य दिल्ली में फुटपाथ पर बने धार्मिक ढांचों को तोड़ने का अभियान चलाकर आईटीओ के पास एक मंदिर और मस्जिद को ध्वस्त कर दिया। मंदिर और मस्जिद ध्वस्त किए जाने के बाद क्षेत्र में माहौल गरमा गया और लोगों ने इसका विरोध किया।

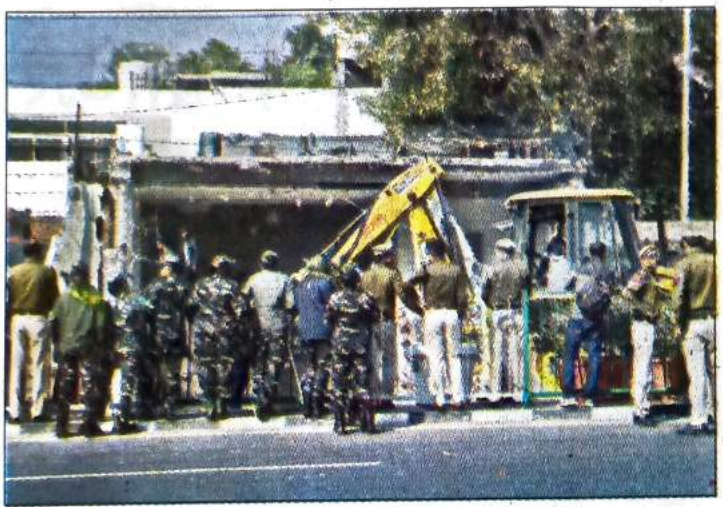

शनिवार को बहादुर शाह मार्ग पर कड़ी सुरक्षा के बीच अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत अवैध निर्माण गिराते पीडब्ल्यूडी के कर्मचारी। फ़ोटो : प्रेट.

गौरतलब है कि अभी कुछ दिन पहले ही दिल्ली के महरौली में डीडीए का अतिक्रमण विरोधी अभियान चला था। जिसमें डीडीए को पब्लिक का भारी विरोध झेलना पड़ा। डीडीए ने अपना यह अभियान 5 दिन तक महरौली क्षेत्र में चलाया, जिसमें सैकड़ों बिल्डिंगों को डीडीए ने ध्वस्त कर दिया था। उसके बाद जब विरोध और बढ़ गया, तो उपराज्यपाल विनय सक्सेना के एक आदेश पर डीडीए ने महरौली क्षेत्र में अपने इस अभियान को रोक दिया। मामला अब कोर्ट में चल रहा है।

आपको बता दें कि दिल्ली के महरौली में डीडीए के अतिक्रमण विरोधी अभियान के बाद आज यानी शनिवार को आईटीओ के पास अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई जारी है। इस बार अतिक्रमण के खिलाफ डीडीए नहीं बल्कि केंद्रीय लोक निर्माण विभाग है। शनिवार को पीडब्ल्यूडी कि अतिक्रमण विरोधी अभियान की कार्रवाई में आईटीओ के नजदीक एक मंदिर और एक मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया। मामला धार्मिक आस्था से जुड़ा होने के कारण पब्लिक में भारी आक्रोश दिखा पब्लिक ने इसका विरोध किया, लेकिन भारी विरोध के बावजूद पीडब्ल्यूडी का अतिक्रमण विरोधी अभियान जारी है। इस अतिक्रमण विरोधी अभियान में कानून व्यवस्था के मद्देनजर भारी सुरक्षा बल भी मौजूद है।

सूत्रों के अनुसार इस अतिक्रमण विरोधी अभियान से पहले पीडब्ल्यूडी ने दोनों पक्षों को नोटिस भी जारी किए थे। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए होर्डिंग भी लगाए गए थे।

Two-day flower festival begins in city

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Ornamental floral patterns, including those themed on G20, topiary exhibits and attractive shrubbery have been put on display in a mega garden here as part of a two-day flower festival that began on Saturday, officials said.

The festival, "Palaash", being hosted by the Delhi Development Authority (DDA) at the Swarn Jayanti Park at Sector 10, Rohini, was inaugurated by Delhi Lt Governor V K Saxena, a senior official said.

The L-G said this festival was another step towards making Delhi, a "city of flowers".

Subhasish Panda, Vice Chairman, DDA, along with other senior officials were also present during his visit.

Various ornamental flowers have been put up there on G20, displaying its logo, he said.

Attractive shrubbery has been put on display in the mega garden that was built to mark the golden jubilee of India's Independence, officials said.

The festival is a competition organised between the various divisions of the horticulture department of the DDA, they said. All 11 divisions of the horticulture department of the DDA are participating in it, the official said. Exhibits under 11 different categories displayed under two different categories, will be judged by a learned jury, based on scientifically evolved evaluation criteria, the DDA earlier said.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

sunday pioneer
NEW DELHI | SUNDAY | FEBRUARY 26, 2023

2-day flower fest attracts visitors

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

Delhi Lt Governor Vinai Kumar Saxena on Saturday visited Palaash-two day flower festival at Swarn Jayanti Park, Rohini. While appreciating the flora put on display, Saxena said that along with others, this festival was another step towards in making Delhi-a City of Flowers. The Palaash festival is organised by the Delhi Development Authority (DDA). DDA vice chairman Subhasish Panda along with officials were also present during the visit.

Palaash is also known as the "Flame of the forest" because of its bright and invigorating fire-like blossoms and the flower has many dimensions to itself. The Goddess of knowledge, creativity and music, Devi Saraswati, is fond of Palaash flowers. The festival has a goal towards a cleaner and greener Delhi and will raise awareness about ecological development.

The objective of festival is to promote and encourage employees of the organisation to work towards the betterment of DDA greens.

The grass-root level workers get an opportunity to display their skills while a healthy competition amongst them is promoted. During the festival, various divisions of Horticulture Department of DDA will compete, showcasing the beautiful work done by them, which will be judged by a learned jury.

A positive by-product of the competition would be an opportunity given to the public to enjoy a display of flowers with various attractions like folk performances organised by the Ministry of Culture, pottery making for those who have the knack, painting competitions for school children, and more.

पंजाब केसरी 26 फरवरी, 2023 ▸ रविवार
DELHI

एलजी ने किया रोहिणी के स्वर्ण जयंती पार्क में पुष्प उत्सव पलाश का दौरा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को रोहिणी स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में आयोजित दो दिवसीय पुष्प उत्सव 'पलाश' का दौरा किया। इस दौरान एलजी ने प्रदर्शित की गई वनस्पतियों की सराहना करते हुए कहा कि अन्य त्योहारों के साथ-साथ यह उत्सव दिल्ली को फूलों का शहर बनाने की दिशा में एक और कदम है।

कार्यक्रम में डीडीए वीसी सुभाषीश पांडा के साथ हॉर्टिकल्चर विभाग के प्रिंसिपल कमिश्नर डॉ. राजीव कुमार तिवारी सहित विधायक विजेन्द्र गुप्ता व कई अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। डीडीए के उद्यान विभाग के निदेशक अशोक कुमार ने बताया कि इस उत्सव का उद्देश्य डीडीए ग्रीन्स की बेहतरी की दिशा में काम करने के लिए संगठन के कर्मचारियों को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना है। इससे जमीनी स्तर पर काम करने वाले वर्करों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है।

दैनिक भास्कर
नई दिल्ली, रविवार, 26 फरवरी, 2023

एलजी ने स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी में दो दिवसीय पुष्प उत्सव 'पलाश' का दौरा किया

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी में दो दिवसीय पुष्प उत्सव-पलाश का दौरा किया। सक्सेना ने प्रदर्शित की गई वनस्पतियों की सराहना करते हुए कहा कि अन्य उत्सवों के साथ-साथ यह उत्सव दिल्ली को फूलों का शहर बनाने की दिशा में एक और कदम है।

इस अवसर पर वीसी डीडीए सुभाषीश पंडा के साथ डीडीए के सभी बड़े अधिकारी भी दौरे के समय उपस्थित थे।आज से शुरू हो रहे इस आयोजन का नाम 'ब्यूटिया मोनोस्पर्मा' फूल के नाम पर 'पलाश' रखा गया है, जो इस मौसम में राजधानी में खिलता है। 'पलाश' को फ्लेम ऑफ फॉरेस्ट के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि इसके फूल चमकीले और ऊर्जावान रोशनी जैसे होते हैं साथ ही फूल के अपने आप में कई आयाम भी हैं। ज्ञान, रचनात्मकता और संगीत की देवी सरस्वती को पलाश के फूल प्रिय हैं। यह उत्सव एक स्वच्छ और हरित दिल्ली की दिशा के लक्ष्य के साथ शुरू किया गया है और इससे पारिस्थितिक विकास के संबंध में जागरूकता बढ़ेगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी DELHI ▸ 27 फरवरी, 2023 ▸ सोमवार

घरों में हो रही दूषित पानी की सप्लाई, लोग परेशान

जहांगीरपुरी के मेट्रो अपार्टमेंट में आ रहा गंदा पानी

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): जहांगीरपुरी के मेट्रो अपार्टमेंट में दूषित पानी की सप्लाई ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। लोगों का कहना है कि घरों में नाली के बदबूदार पानी की सप्लाई की जा रही है। जिससे लोग नहाने के लिए बाहर से पानी खरीदने को मजबूर हैं। इस संबध में लोगों ने डीडीए और दिल्ली जल बोर्ड को ट्वीट कर समस्या बताई है।

बाल्टी में भरा सप्लाई का गंदा पानी।

ट्विटर यूजर अवधेश तिवारी ने बताया कि कई दिनों से घरों में दूषित पानी की सप्लाई हो रही है। कई बार पानी इतना ज्यादा गंदा आता है कि पानी में बदबू आने की वजह से घर में भी रहना मुश्किल हो जाता है। हालांकि, मजबूरी में इस पानी का उपयोग बाकी कार्यों के लिए करना ही पड़ता है। यह पानी पीने योग्य बिल्कुल भी नहीं होता है। पीने के पानी के लिए भी काफी मशक्कत करनी पड़ती है। बता दें कि दूषित पानी की सप्लाई की वजह से सबसे ज्यादा समस्या महिलाओं को होती है। महिलाओं को अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि पुरुष कार्य करने के लिए बाहर चले जाते हैं। घर की साफ-सफाई, बर्तन धोने और कपड़े धोने का कार्य महिलाओं के जिम्मे होता है। ऐसे में वह पानी के लिए परेशान होती हैं।

27 फरवरी • 2023 राष्ट्रीय सहारा

रोहिणी जिला न्यायालय में पार्किंग का अभाव, आम जनता परेशान

लोकमंच

रोहिणी जिला न्यायालय में प्रत्येक दिन हजारों की संख्या में विभिन्न मुकदमों में सुनवाई के लिए आम जनता आती है। जिनके अपराधिक सिविल और परिवारिक विवाद होने के कारण न्यायालय के आदेश के अनुसार आना होता है। सवाल इस बात का उठता है कि जिस तरह से जिला न्यायालय में प्रत्येक दिन विभिन्न मुकदमों की सुनवाई के दौरान आम जनता को आने के लिए अपने वाहनों के साथ जिला न्यायालय में पार्किंग की व्यवस्था उस अनुसार नहीं है। दिल्ली सरकार के अंतर्गत आने वाले जिला न्यायालय में पार्किंग की अव्यवस्था होने के कारण विभिन्न प्रकार की परेशानी होती है। अनेक बार तो पार्किंग की समस्या के कारण विवाद भी हो जाता है। वाहनों का इस प्रकार से खड़ा किया जाना अन्य वाहनों का आवागमन भी रुक जाता है। जरूरी है कि बढ़ती हुई मुकदमों की मार के कारण पार्किंग की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए।

विजय कुमार धानिया, जिला न्यायालय रोहिणी

हाईटेंशन तारों के खतरे से परेशान है भाग्य विहार के लोग : रानी खेड़ा गांव के समीप भाग्य विहार जैन कॉलोनी के ऊपर से गुजर रही बिजली की हाईटेंशन तारों से स्थानीय लोगों का जीना दिनोंदिन दुश्वार होता जा रहा है। घरों के ऊपर से गुजर रही ये हाईटेंशन तारे हाई वोल्टेज करंट के कारण तेजी से हिलती है और आवाजे भी करती है। नतीजतन इन तारों की चपेट में स्थानीय लोगों के आने का खतरा हर समय बना रहता है। सबसे ज्यादा खतरा बच्चों पर मंडराता है जो अपनी छतों पर खेलते है। मुख्यमंत्री और बीएसईएस से अनुरोध है कि तत्काल ध्यान देते हुए इन हाईटेंशन तारों को हटवाया जाये।

सुरेंद्र तिवारी, भाग्य विहार जैन कॉलोनी

जनकपुरी डी वन सी ब्लॉक के पार्कों की हालत खस्ता : जनकपुरी डी वन सी ब्लॉक डीडीए फ्लैट्स में पीछे की तरफ एक छोटा सा तिकोना पार्क है जिसमें पिछले कई महीनों से गंदगी फैली हुई है, और सूखे टूटे पेड़ों के झाड़ ने आधा पार्क को घेर रखा, जिसे उठाने के लिए नगर निगम कोताही बरत रहा है। डी वन सी ब्लॉक के पार्कों की देखभाल के लिए कोई कर्मचारी उपस्थित नहीं रहता। पार्कों की बदहाली के कारण छोटे-छोटे बच्चे पार्क में नहीं खेल पाते, और अगर बच्चे पार्क में जाते हैं तो सूखे पेड़ों के झुंड से टकरा कर घायल भी हो जाते हैं। संबंधित विभाग के आला अधिकारी अगर पार्कों की साफ-सफाई पर ध्यान दें तो बच्चे-बूढ़े स्वच्छ पार्क का लुत्फ उठा सकते हैं।

वैशाली कालड़ा, डी-1 सी ब्लॉक, जनकपुरी

इलाके में सीवर लाइन न होने से परेशानी हो रही : पांडवाला कलां गांव के निवासियों को सीवर लाइन न होने से परेशानी हो रही है। अभी तक दिल्ली जल बोर्ड इस संबंध मे कोई काम शुरू नहीं कर पाया है। लोगों को सेप्टिक टैंक का इस्तेमाल करना परता है। इस कारण जमीन के नीचे का पानी साफ नहीं है ओर पेट के मरीजों की संख्या ज्यादा बढ़ती जा रही है। मेरा दिल्ली जल बोर्ड के उच्चाधिकारियों से अनुरोध है कि इस गांव मे सीवर लाइन की सुविधा प्रदान करा कर निवासियों को राहत दिलाने की कष्ट करें।

राजेन्द्र सिंह, गांव पांडवाला कलां, नजफगढ़

बृज विहार पार्क मे आसामाजिक तत्वों का जमावड़ा : बृज विहार अपार्टमेंट, प्रीतम पुरा में पुष्पांजलि एनक्लेव के पास है। इस सोसाइटी के साथ एक डीडीए का पार्क है। डीडीए ने पार्क अच्छा बनाया है। इस बृज विहार पार्क में आसामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, आवारा लड़के और लड़कियां यहां घूमते और शोर एवं अश्लील हरकतें करते है जिससे बृज विहार निवासियों को परेशानी होती है। हमारा दिल्ली पुलिस के संबंधित उच्चाधिकारी से अनुरोध है कि इस पार्क पर गश्त लगवाने की कृपा करें और निवासियों को राहत प्रदान करें।

बृज विहार के दुखी निवासी

कापसहेड़ा गांव के निवासियों को सीवर लाइन न होने से परेशानी : कापसहेड़ा गांव के निवासियों को सीवर लाइन न होने से परेशानी हो रही है। अभी तक दिल्ली जल बोर्ड इस संबंध में कोई काम शुरू नहीं कर पाया है। लोगों को सेप्टिक टैंक का इस्तमाल करना पड़ता है। इस कारण जमीन के नीचे का पानी साफ नहीं है और पेट के मरीजों की संख्या ज्यादा होती जा रही है। मेरा दिल्ली जल बोर्ड के उच्चाधिकारियों से अनुरोध है कि मटके वाली गली में सीवर लाइन की सुविधा प्रदान करा कर निवासियों को राहत देने की कष्ट करें।

नरेन्द्र जैसवाल, कापसहेड़ा

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक भास्कर सोमवार 27 फरवरी, 2023 S------------------------------------DATED------

जनसंवाद में गंभीर ने सुनीं लोगों की समस्याएं, अधिकारियों से कहा- तत्काल समाधान हो

केजरीवाल दूसरे राज्यों के बजाय अपना समय उन्हें दें जिन्होंने उन्हें सीएम बनाया

भास्कर न्यूज़|नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर आज मदनपुर खादर में अपने मतदाताओं की समस्याओं को सुनने के लिए 'गौतम कनेक्ट' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर एमसीडी, डीडीए, दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, पीडब्ल्यूडी, बीएसईएस, डीजेबी, डीयूएसआईबी, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, क्षेत्र एसडीएम और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। सांसद गौतम गंभीर अपने चीर परचित अंदाज में सीधे संवाद कर अधिकारियों के साथ उनकी समस्याओं को सुना। सांसद ने मतदाताओं की समस्याएं सुनने के बाद संबंधित अधिकारी से उनका तत्काल समाधान करने को कहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्थानीय निवासियों ने सांसद को गंदे पेयजल व टूटी सड़कों की समस्या व साफ-सफाई से अवगत कराया। मदन खादर के स्थानीय निवासियों ने सांसद गौतम गंभीर को बताया कि वे पिछले कई वर्षों से पीने के पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, सांसद ने जल बोर्ड के अधिकारी से लोगों को समस्या को दूर करने के आदेश दिया। इस अवसर पर सांसद गौतम गंभीर पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गौतम गंभीर ने सीएम केजरीवाल पर साधा निशाना, दूसरे राज्यों के राजनैतिक दौरे के बजाय अपना समय उन्हें भी दे जिन्होंने उन्हें सीएम चूना है। केजरीवाल जनता की समस्या सूनकर समाधान के बजाय करदाताओं के करोड़ो रुपए का उपयोग विज्ञापन देकर अपना छवि सुधारने के लिए खर्च करते हैं।

amarujala.com
सोमवार, 27 फरवरी 2023

खेल हब के तौर पर द्वारका को विकसित कर रहा है डीडीए

अमर उजाला ब्यूरो

खेलों के लिए समझाया शारीरिक फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य का महत्व

नई दिल्ली। डीडीए ने खेल के लिए शारीरिक फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य में योगदान व समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका के महत्व को समझते हुए कई कदम उठाने का निर्णय लिया है। इस दिशा में उसने खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए है। खास तौर पर उसने द्वारका को खेलने व खेलों के गुर सिखाने का हब बनाने की तैयारी की है।

डीडीए ने द्वारका में खेलों की सुविधा के लिए सेक्टर-23 में हॉकी और फुटबॉल के लिए सेंटर फॉर एक्सिलेंस विकसित करेगा। वहीं सेक्टर 19 में टेनिस और शूटिंग के लिए सेंटर फॉर एक्सिलेंस, सेक्टर-24 में एक पब्लिक गोल्फ कोर्स और सेक्टर-8 में रेसलिंग, बॉक्सिंग, जूडो और कराटे के लिए उत्कृष्टता केंद्र विकसित किया जा रहा है, जबकि सेक्टर-19बी पीपीपी मोड पर डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ऑपरेट एंड ट्रांसफर (डीबीएफओटी) आधार पर इंटीग्रेटेड मल्टी स्पोर्ट्स एरिना प्रक्रियाधीन है। इन सभी परियोजनाओं के इस साल के अंत तक पूरा होने की संभावना है। डीडीए के 15 खेल परिसर, तीन मिनी खेल परिसर, दो पब्लिक गोल्फ कोर्स, 17 स्विमिंग पूल और 40 मल्टी-जिम है।

पंजाब केसरी
DELHI

दिल्ली में स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए डीडीए ने किए कई काम

खेल के बुनियादी ढांचे को सुधार रहा डीडीए

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): खेल शारीरिक फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य में योगदान देकर समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके महत्व को समझते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने राजधानी में खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं। वर्तमान में दिल्ली के विभिन्न भागों में डीडीए के 15 खेल परिसर, तीन मिनी खेल परिसर, दो पब्लिक गोल्फ कोर्स, 17 स्विमिंग पूल और 40 मल्टी-जिम हैं, ताकि आम जनता नाममात्र शुल्क देकर अपने निवास-स्थानक के पास की सुविधाओं का उपयोग कर सकें।

सीडब्ल्यूजी विलेज खेल परिसर, चिल्ला खेल परिसर, पूर्व दिल्ली खेल परिसर और यमुना खेल परिसर, पूर्वी दिल्ली में स्थित हैं जबकि द्वारका खेल परिसर, हरि नगर खेल परिसर और पश्चिम विहार खेल परिसर पश्चिमी दिल्ली में हैं। उत्तरी दिल्ली में डीडीए के पास मेजर ध्यानचंद खेल परिसर, राष्ट्रीय स्वाभिमान खेल परिसर और रोहिणी खेल परिसर हैं, जबकि नेताजी सुभाष खेल परिसर, साकेत खेल परिसर, सिरी फोर्ट खेल परिसर, स्क्वैश और बैडमिंटन स्टेडियम और वसंत कुंज खेल परिसर, दक्षिण दिल्ली में स्थित हैं। इसके अतिरिक्त, डीडीए दो विश्व स्तरीय गोल्फ कोर्स- कुतुब गोल्फ कोर्स और भलस्वा गोल्फ कोर्स का भी प्रबंधन कर रहा है। इसके अतिरिक्त रेसलिंग, वेट लिफ्टिंग, बॉक्सिंग, जूडो, कबड्डी, टेनिस, शूटिंग, फुटबॉल और हॉकी जैसे कई खेलों के लिए सेंटर फॉर एक्सिलेंस विकसित किया जा रहा है। सेक्टर-24 द्वारका में एक पब्लिक गोल्फ कोर्स भी विकसित किया जा रहा है, जिसके दिसंबर 2023 तक पूरा होने की संभावना है। सेक्टर-8 द्वारका में रेसलिंग, बॉक्सिंग, जूडो/कराटे के लिए उत्कृष्टता केंद्र विकसित किया जा रहा है, जबकि सेक्टर-23 द्वारका में हॉकी और फुटबॉल के लिए सेंटर फॉर एक्सिलेंस विकसित किया जाएगा। सेक्टर 19 द्वारका में टेनिस और शूटिंग के लिए सेंटर फॉर एक्सिलेंस विकसित किया जा रहा है। इन सभी परियोजनाओं के इस साल के अंत तक पूरा होने की संभावना है। सेक्टर-33 रोहिणी में एक्वेटिक्स के लिए सेंटर फॉर एक्सिसलेंस बनाया जाएगा, जिसके अगले साल के मध्य तक पूरा होने की संभावना है।

इसके अतिरिक्त, सेक्टर ए-7 नरेला में एथलेटिक्स के लिए सेंटर फॉर एक्सिसलेंस की स्थापना की जाएगी। सेक्टर 34 रोहिणी में एक अन्य खेल परिसर भी विकसित किया जा रहा है। सेक्टर-19बी द्वारका में, पीपीपी मोड पर डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ऑपरेट एंड ट्रांसफर (डीबीएफओटी) आधार पर इंटीग्रेटेड मल्टी स्पोर्ट्स एरिना प्रक्रियाधीन है। ये मेगा प्रोजेक्ट न केवल शहर में खेलों को बढ़ावा देंगे, बल्कि दिल्ली के लोगों के जीवन को सुगम बनाने में भी योगदान देंगे। यह भविष्य के चैंपियनों और राष्ट्र की युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने में अत्यधिक योगदान देगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
NEW DELHI | SATURDAY, 25 FEBRUARY, 2023 ----------DATED----------

THE FEST — 'PALAASH' — WILL BE HOSTED AT SWARN JAYANTI PARK

DDA to host flower festival on Feb 25-26

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: A two-day flower festival will be inaugurated by Delhi Lt Governor V K Saxena on Saturday, an official statement said.

The festival — "Palaash" — will be hosted at the Swarn Jayanti Park at Sector 10, Rohini.

It is a competition organised between the various divisions of the horticulture department of the Delhi Development Authority (DDA), a senior official said.

The festival is named Palaash after the bright red flower of butea monosperma which is abloom in the capital during this time. It will be inaugurated by the Lt Governor in the presence DDA Vice Chairman Subhasish Panda, the statement said.

This initiative is proposed with a goal towards a cleaner and greener Delhi, the DDA said in a statement.

Palaash is also known as the "Flame of the forest" because of its bright and invigorating fire-like blossoms and the flower has many dimensions to itself, the statement said.

The goddess of knowledge, creativity and music, Devi Saraswati, is fond of Palaash flowers. The charming inflorescence is emblematic of Holi, the Hindu festival of colours associated with prosperity, happiness and festivity, it said.

The objective of the festival is to promote and encourage employees of the organisation to work towards the better ment of DDA greens, the statement said.

The grassroot level workers get an opportunity to display their skills while a healthy competition amongst them is promoted. It is envisaged that the exercise will have a direct impact on raising the standards of DDA nurseries as well, the statement said.

"A positive by-product of the competition would be an opportunity given to the public to enjoy a display of flowers with various attractions like folk performances organised by the Ministry of Culture, pottery making for those who have the knack, painting competitions for school children, and much more," the DDA said.

"Food stalls with lip-smacking street delicacies from different regions of India will act as an attraction for the visitors at the festival," it said.

Exhibits under 11 different categories displayed in the Swarn Jayati Park and DDA parks under two different categories will be judged by a learned jury, based on scientifically evolved evaluation criteria, the authorities said.

There will be an exhibition of different species of flowers like Geranium, Gerberas, Gladiolus, Ferns, Palms, Philodendrons, among others and their arrangements in bouquets, garlands, and hanging baskets, the DDA said.

The event is expected to captivate visitors who shall be acquainted with different aspects of flowers, ornamental, seasonal and perennials, shrubs, hedges, succulents, trees, their propagation and gardening.

The visitors shall also get insights into the efforts and contributions being made by the DDA for fighting alarming levels of pollution in Delhi and beautifying the city, it said.

अमर उजाला

डीडीए स्वर्ण जयंती पार्क में आयोजित करेगा पुष्प उत्सव

नई दिल्ली। डीडीए सबसे बड़े और बेहतरीन सार्वजनिक उद्यानों में से एक रोहिणी सेक्टर-10 स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में पुष्प उत्सव का आयोजन करेगा। बुटिया मोनोस्पर्मा फूल के नाम पर इस आयोजन को पलाश नाम दिया गया है। यह इस मौसम में राजधानी में खिलता है। यह उत्सव 25 व 26 फरवरी को मनाया जाएगा। उत्सव का उद्घाटन उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना करेंगे। डीडीए के अनुसार पलाश को फ्लैम ऑफ फॉरेस्ट के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि इसका रंग चमकीला होता है। पुष्प के अपने आप में कई आयाम होते हैं। ज्ञान, सृजनात्मक और संगीत की देवी, सरस्वती को पलाश के फूल काफी प्रिय है। ब्यूरो

25 फरवरी • 2023 राष्ट्रीय सहारा

महरौली क्षेत्र में तोड़फोड़ का मामला

लोगों ने सरकारी भूमि पर कर लिया है कब्जा : डीडीए

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली।

महरौली पुरातत्व पार्क के पास लाडो सराय के अवैध निर्माण के मामले में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने हाईकोर्ट से कहा कि सरकारी भूमि पर लोगों ने कब्जा कर लिया है, जबकि वर्ष 2014 के गूगल सर्वे से पता चलता है कि यह पूरी तरह से खाली थी। कोर्ट ने सभी पक्षों से फिलहाल यथास्थिति बनाए रखने को कहा है।

डीडीए ने कहा कि शहर की विरासत के साथ-साथ समग्र संस्कृति की सुरक्षा सुनिश्चित करना नागरिकों का अनिवार्य और मौलिक कर्तव्य है। उस दायित्व को पूरा करने के लिए अधिकारियों को सभी पुराने स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और अवशेषों की बेईमान लेगों से रक्षा करने और उन्हें अतिक्रमण से मुक्त करने की जरूरत है। डीडीए न यह जवाब हलफनामा दाखिल कर महरौली के ग्रीन अपार्टमेंट्स के निवासियों की याचिका पर दिया है।

मामले में अगली सुनवाई 9 को

तब तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश

सुनवाई के दौरान डीडीए के वकील शोभना टाकियार ने न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा को बताया कि एजेंसी ने दिसंबर 2021 की सीमांकन रिपोर्ट के साथ मुख्य याचिका में एक विस्तृत जवाबी हलफनामा दायर किया है। सभी याचिका के तथ्यों का जवाब देते हुए डीडीए के संक्षिप्त हलफनामे 27 फरवरी तक दाखिल किए जाएंगे। इसके बाद न्यायमूर्ति ने सुनवाई 9 मार्च तक स्थगित करते हुए कहा कि अदालत का दरवाजा खटखटाने वालों की संपत्तियों पर यथास्थिति बनाए रखने का अंतरिम आदेश तब तक जारी रहेगा।

याचिकाकर्ताओं में से एक के वकील सिद्धांत कुमार ने कहा है कि उनके मुवक्किल का भवन महरौली में खसरा नंबर 1151/3 में स्थित है। उसके घर को तोड़ने का आदेश डीडीए की सूची में नहीं है। फिर भी उसके खिलाफ घर तोड़ने की कार्रवाई अभी भी प्रस्तावित है। विवादित भूमि महरौली पुरातत्व पार्क में आती है, जो दक्षिणी मध्य रिज का हिस्सा है, जहां बड़ी संख्या में ऐतिहासिक विश्व प्रसिद्ध स्मारक मौजूद हैं।

सरकारी भूमि पर लोगों ने किया कब्जा 2014 के गूगल सर्वे में खाली थी

महरौली मामले में डीडीए ने कोर्ट को दी जानकारी

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। महरौली पुरातत्व पार्क के अंतर्गत आने वाले लाधा सराय गांव में सरकारी भूमि पर लोगों ने कब्जा कर लिया गया है जबकि 2014 के गूगल सर्वे से पता चलता है कि यह था पूरी तरह से खाली थी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने हाईकोर्ट को यह जानकारी दी है। फिलहाल अदालत ने यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है।

डीडीए ने कहा कि शहर की विरासत के साथ-साथ समग्र संस्कृति की सुरक्षा सुनिश्चित करना नागरिकों का अनिवार्य और मौलिक कर्तव्य है, जिसके दायित्व के लिए अधिकारियों को सभी पुराने स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों की रक्षा करने और उन्हें अतिक्रमण से मुक्त करने की आवश्यकता है। महरौली के ग्रीन अपार्टमेंट्स के निवासियों द्वारा दायर याचिका के जवाब में दायर हलफनामे में डीडीए ने उक्त तर्क रखा है।

दो कबड्डी खिलाड़ियों को विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने की अनुमति

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने उन दो युवा कबड्डी खिलाड़ियों को ईरान में होने वाली जूनियर विश्व कबड्डी चैंपियनशिप (लड़का) में भाग लेने की अनुमति दे दी है जिन्हें अधिकारियों ने मामूली चोटों के कारण बाहर कर दिया था। कोर्ट के इस फैसले से उन्हें टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल गया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा मनिंदर सिंह ने कहा कि हर खिलाड़ी अपने करियर में विश्व कप में खेलने का मौका हासिल करना चाहता है। दोनों खिलाड़ियों को बिना किसी उचित आधार के देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए नहीं भेजना उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरी टीम के लिए मनोबल गिराने वाला होगा। अदालत ने 17 वर्षीय रोहित कुमार और 19 वर्षीय नरेंद्र की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। ब्यूरो

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शनिवार, 25 फरवरी 2023

खुले मन से

हम बड़े हो जाते हैं, पर हमारे खेल नहीं

सुधीर मिश्र

हस्तीमल हस्ती का शेर है-

खेल जिंदगी के तुम खेलते रहो यारो
हार जीत कोई भी आखिरी नहीं होती

बचपन में गली क्रिकेट तो तकरीबन सभी ने खेला होता है। उस खेल के नियमों का कोई विधान नहीं था। काल-खंड, परिस्थितियों और भूगोल के हिसाब से उन्हें तय कर लिया जाता। मसलन अगर नाली में गेंद गई तो बल्लेबाज को ही निकालना होगा। अगर किसी के घर में गई या कोई शीशा आदि टूटा तो बल्लेबाज आउट तो होगा ही, मार खाने की हालत में भी उसे ही आगे किया जाएगा। ऐसे ही अलिखित विधानों के बीच जब कोई ताकतवर टीम हारने लगती थी तो वह अक्सर बैटिंग करने के बाद विकेट उखाड़कर भाग जाती। ज्यादा तनातनी हो जाए तो मारपीट भी हो जाती और कभी पिच पर पानी डालकर कीचड़ कर दिया जाता। खेल, खेल भावना और भाईचारा एकदूसरे को दौड़ाने में न जाने कौन सी गली में गुम हो जाता।

आजकल देश दुनिया के हालात देखकर अजीब सा महसूस होता है। आप महसूस करेंगे कि लोग बड़े हो जाते हैं, लेकिन उनके खेल बड़े नहीं होते। रूस-यूक्रेन और नाटो की लड़ाई से लेकर दिल्ली एमसीडी के कमिटी चुनाव तक देख लीजिए। संयुक्त राष्ट्रसंघ के नियम कानूनों से लेकर छोटे-मोटे चुनावों तक के विधान से लोग मनमाने तरीके से खेल रहे हैं। सारी दुनिया एक अजीब सी आक्रामकता के दौर से गुजर रही है। रूस और नाटो की लड़ाई में अब एटम बम के इस्तेमाल का अंदेशा है। शेयर मार्केट नीचे जा रहे हैं। दूसरी तरफ, दुनिया के पर्यावरण का हाल यह है कि बरसों बाद वेनिस में सूखी हुई नहरें देखने को मिल रही हैं। यूरोप कभी भयंकर गर्मी से जूझ रहा है तो कभी अतिशय सर्दी से। चक्रवाती तूफानों ने अमेरिका से लेकर एशिया तक का हाल खराब कर रखा है और भूकंप हर पंद्रह दिन में कहीं न कहीं दस्तक दे रहा है। ग्लोबल मसलों को छोड़ लोकल पर आते हैं। राजनीतिक दलों की फिक्र सत्ता है। वह चाहे एमसीडी की हो, राज्य की या फिर देश की। किसी भी कीमत पर चाहिए।

हाल ही में एक डॉक्युमेंट्री देखने का मौका मिला। इसमें दिखाया गया था कि 2050 का भारत कैसा हो सकता है। क्लाइमेट चेंज के खतरों का जिक्र करते हुए जयपुर शहर को रेत के टीलों में बदला हुआ दिखाया गया था। हिमालय की बर्फ पिघल जाने से उत्तर भारत के शहरों की नदियों के सूखने का खतरा और दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में पानी और दूसरी जरूरी सुविधाओं के लिए दंगों के दृश्य थे। बीते पचीस साल के दौरान अगर वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों का अध्ययन न किया होता तो लगता कि यह कोरी कल्पना है। पर बीस साल पहले एक्सट्रीम वेदर कंडीशंस को लेकर जो अंदेशे रिपोर्टर के तौर पर रिपोर्ट किए थे, वह आज सच होते दिख रहे हैं। ऐसी बड़ी-बड़ी चिंता करने वाले हालात के बीच लोगों को सत्ता और पावर के लिए लड़ते हुए देखकर डर महसूस होता है। हमेशा लगता है कि सत्ता की यह दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है?

एमसीडी मेयर समेत दूसरे पदाधिकारियों के चुनाव के दौरान कुछ ऐसा हाल रहा

दिल्ली के छाती रोग विशेषज्ञों से बात करिए। वह बताएंगे कि आपका बच्चा और आप खुद बिना सिगरेट-बीड़ी लिए हुए ही उससे ज्यादा जहर अपने फेफड़ों में भर रहे हैं। इसमें हम, आप और सुविधाभोगी समाज तो जिम्मेदार है ही, एमसीडी, डीडीए और सरकारी महकमे ज्यादा बड़े जिम्मेदार हैं। जो दिल्ली शहर दुनिया की सबसे गंदी और प्रदूषित राजधानी का दर्जा हासिल किए हुए है, वहां बीते दिनों हुए मेयर और सदस्यों के चुनावों के दौरान सदन के हाल को देखिए। दुनिया विडियो देख रही होगी और सोच रही होगी कि भारत की राजधानी के जनप्रतिनिधि कैसे हैं, उनके लोकतंत्र की परिपक्वता और पवित्रता का स्तर क्या है? एक दूसरे पर पानी की बोतलें फेंकते, बैलेट बॉक्स को फेंकते और एक दूसरे से मारपीट और धक्का-मुक्की करते पार्षद व नेता अपने घरों और वार्ड में लोगों को इस बारे में क्या समझाते होंगे? खुद उनके अपने बच्चे जिनको इसी दिल्ली शहर में रहना है, वह क्या सोचते होंगे?

क्या यह लोग दिल्ली को साफ-सुथरा, भयमुक्त और अच्छी सांसें लेने योग्य बनाएंगे? राजनीतिक दलों और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों के लिए भी यह सोचने का वक्त है कि एमसीडी और मेयर जैसे छोटे चुनाव को कराने के लिए भी सुप्रीम कोर्ट को आदेश क्यों देना पड़ रहा है। लोकतंत्र के बारे में सबको समझना होगा कि यह गली का क्रिकेट नहीं है। विकेट उखाड़कर भागने और अपनी बैटिंग करके मैच अधूरा छोड़ने जैसे बचकानेपन की गुंजाइश बिलकुल नहीं है। दिल्ली एक इमरजेंसी से गुजर रही है। जब सांसें लेना मुश्किल हो, बच्चों में पैदा होने से पहले ही दमा और सांस की बीमारियां हो रही हों और आनेवाली पीढ़ी अपने भविष्य को अंदेशों से घिरा हुए देख रही हो, तब ऐसे वक्त में बड़ों की जिम्मेदारी ज्यादा बढ़ जाती है। कम से कम उनसे बचकानेपन की उम्मीद तो नहीं ही होती। आखिर में बचपन के खेलों से अब तक न उबरने वाले जिम्मेदारों के लिए वकार फातमी का यह शेर और बात खत्म कि-

सच को भी झूट-झूट को सच कर दिखाओगे
बस इक अमीर-ए-शहर से याराना चाहिए

---DATED---

'पलाश उत्सव' के संग रोहिणी में फूलों के रंग

■ **विस, नई दिल्ली :** रोहिणी सेक्टर 10 के स्वर्ण जयंती पार्क में आज से दो दिन का 'पलाश उत्सव' शुरू होगा। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक लोग यहां आ सकते हैं। डीडीए हॉर्टिकल्चर विभाग के अलग-अलग डिविजन उत्सव आयोजित कर रहे हैं। एलजी वीके सक्सेना इसका उद्घाटन करेंगे। डीडीए के वाइस चेयरमैन शुभाशीष पांडा भी पहुंचेंगे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-- **दैनिक जागरण** नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2023 ATED----------

गूगल के मानचित्र में उलझा डीडीए, प्रशासन ने झाड़ा पल्ला

रमेश मिश्र • दक्षिणी दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट में डीडीए की ओर से पेश किए गए शपथपत्र से अतिक्रमण विरोधी अभियान का मामला उलझ सकता है। फिलहाल, कोर्ट ने अतिक्रमण विरोधी अभियान को नौ मार्च तक टाल दिया है। कोर्ट के इस फैसले का मकसद होली तक डीडीए के बुलडोजर को शांत रखना हो सकता है, लेकिन उसके इस शपथपत्र से कई सवाल खड़े हो गए हैं। इसका जवाब दिल्ली सरकार, स्थानीय प्रशासन और डीडीए को खोजना ही होगा।

डिमार्केशन का आधार बना गूगल का मानचित्र: डीडीए ने कोर्ट में पेश अपने शपथपत्र में गूगल के मानचित्र का हवाला देते हुए अपने डिमार्केशन को जायज ठहराया है। उसने अतिक्रमण विरोधी अभियान की कार्रवाई का आधार भी गूगल के इस मानचित्र को बनाया है। डीडीए का तर्क है कि जंगल और ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए यह अभियान जरूरी है। उधर, इस मामले में दिल्ली सरकार पहले कह चुकी है कि डिमार्केशन की प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई है। इस तरह से डीडीए और दिल्ली सरकार के परस्पर विरोधी विचारों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। महरौली प्रकरण ने सरकारी मशीनरी की कार्यप्रणाली की भी पोल खोल कर रख दी है। इस मामले में डीडीए अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। इसके पूर्व अतिक्रमण स्थल पर मौजूद कर्मियों ने कहा था कि हम आदेश का पालन कर रहे हैं। सही और गलत हमको नहीं मालूम है।

महरौली स्थित बस टर्मिनल के पास अतिक्रमण हटाने के दौरान मौके पर मौजूद अर्ध सैनिकबल के जवान • जागरण आर्काइव

- डीडीए ने शपथपत्र में गूगल के मानचित्र को बनाया आधार
- महरौली प्रकरण ने सरकारी मशीनरी की खोली पोल

वार्ड नंबर-8 की चिंता बढ़ी: उधर, महरौली के वार्ड नंबर-8 यानी डीडीए के लिए लद्धा सराय के लोगों की चिंता इस शपथपत्र के बाद बढ़ गई है। दरअसल, इस कालोनी की बसावट पांच वर्ष से ज्यादा की नहीं है। इस कालोनी के निवासी शिव प्रकाश का कहना है कि डीडीए के इस शपथपत्र से यहां पांच हजार परिवारों की चिंता बढ़ गई है। वर्ष 2014 के गूगल मैप का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा है कि उस वक्त इस क्षेत्र में कोई निर्माण नहीं हुआ था। डीडीए इस क्षेत्र में होली के बाद अपना बुलडोजर चला सकता है। हालांकि, होली के मद्देनजर कोर्ट ने डीडीए को 9 मार्च तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है।

वर्ष 2014 के पहले की बसावट पर क्या करेगा डीडीए

डीडीए का हथौड़ा महरौली के इस उस इलाके में भी चला, जहां की बसावट काफी पुरानी है। खासकर, बस स्टैंड के पास भूल-भूलैया के निकट बसावट चार से पांच दशक पुरानी है। किसनगढ़, इस्लाम कालोनी नट बस्ती की भी बसावट कई दशक पुरानी है। उधर, कोर्ट में डीडीए ने अपने एफिडेविट में वर्ष 2014 का हवाला दिया है, जबकि उसके अतिक्रमण विरोधी अभियान की सूची में कई पुराने मकान भी शामिल है। इसके अलावा इसको राजस्व विभाग पहले ही गलत ठहरा चुका है। राजस्व विभाग ने दिल्ली सरकार के बयान के बाद कहा था कि इस इलाके के डिमार्केशन में गड़बड़ी हुई है। इसके बाद डीडीए की इस कार्रवाई पर कई तरह से सवाल उठ रहे हैं। इस वार्ड के निवासी 65 वर्षीय राम कुशल का कहना है कि उस वक्त गूगल मैपिंग कहां होती थी। लेखपाल, पटवारी और कानूनगो ही डिमार्केशन के प्रमुख आधार हुआ करते थे। डीडीए ने हाई कोर्ट में वर्ष 2021 की सीमांकन रिपोर्ट सौंपी है।

दिल्ली को बनाया जाएगा फूलों का शहर : उपराज्यपाल

जागरण संवाददाता, बाहरी दिल्ली : उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को कहा कि दिल्ली को फूलों और आनंदोल्लास का शहर बनाया जाएगा। रोहिणी सेक्टर-10 स्थित स्वर्ण जयंती पार्क (जापानी पार्क) में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की ओर से आयोजित दो दिवसीय पलाश पुष्प उत्सव के दौरे के बाद सक्सेना ने यह बात कही। उपराज्यपाल ने कहा कि लोगों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए डीडीए ने दिल्ली में काफी सारे पार्क आदि बनाए हुए हैं। स्वर्ण जयंती पार्क में डीडीए की ओर से नई शुरुआत की गई है। पलाश के माध्यम से डीडीए की 11 डिविजन की ओर से खूबसूरत फूलों व पौधों को लगाया गया है। उन्होंने कहा, 'मैंने बहुत पहले कहा था कि दिल्ली को फूलों का शहर बनाना है, आनंदोल्लास का शहर बनाना है, जब हम फूलों के पौधे लगाएंगे तभी लोगों में खुशियां जगेंगी। पुष्प उत्सव को बेहद शानदार बताते हुए सक्सेना ने कहा कि आने वाले समय में डीडीए, एमसीडी, एनडीएमसी, सभी मिलकर दिल्ली को फूलों का शहर बनाएंगे। यहां डीडीए के वाइस चेयरमैन सुभाषीश पांडा, विधायक विजेंद्र गुप्ता भी मौजूद रहे।

रोहिणी सेक्टर-10 स्थित स्वर्ण जयंती पार्क मे फूलों के बारे में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना (दाएं से दूसरे) को जानकारी देते डीडीए के अधिकारी • जागरण

डीडीए की ओर से रोहिणी सेक्टर-10 स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में आयोजित पलाश पुष्प उत्सव का एलजी ने किया दौरा

डीडीए की ओर से पार्क में रविवार को भी पुष्प उत्सव या पलाश उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान डीडीए के दिल्ली के अलग अलग जगह के बागवानी विभाग की 11 डिविजनों के बीच स्पर्धा भी होगी। इस उत्सव का उद्देश्य उद्यान विभाग के कर्मचारियों को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना है। इस उत्सव से जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे कर्मचारियों को अपना कौशल प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा।

लोगों को पसंद आई लोक प्रदर्शनी: यहां संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित लोक प्रदर्शनों की झलक भी देखने को मिली। त्रिपुरा का संग्रेन नृत्य, झारखंड का पाइका व कर्मा नृत्य, असम का राफा हमजर नृत्य, उत्तराखंड का छोलिया नृत्य, उड़ीसा का बुदिगली नृत्य, उत्तर प्रदेश का गर्दबाजा नृत्य, तेलंगाना का लम्बाड़ी नृत्य, महाराष्ट्र का संगी मुखौटा नृत्य व मध्य प्रदेश के गुडुंबजा नृत्य को लोगों को काफी पसंद किया। लोग कलाकारों के साथ सेल्फी लेते नजर आए।

फूलों से बनाए गए हाथी, हिरण: यहां पर बागवानी विभाग की ओर से फूलों की मदद से शेर, हिरण, ऊंट, मोर आदि बनाए हुए हैं। यह भी लोगों को काफी पसंद आए। इसके अलावा गमलों, पौधों आदि व डीडीए के माडल की भी प्रदर्शनी बनाई गई है। लोग ऊंट की सवारी का मजा भी उत्सव के दौरान उठाते नजर आए।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS--- * SUNDAY TIMES OF INDIA, NEW DELHI FEBRUARY 26, 2023 -----DATED----------

LG visits DDA's 2-day flower fest in Rohini

New Delhi: Lieutenant governor Vinai Kumar Saxena on Saturday visited 'Palaash', a two-day flower festival organised by the DDA, at Swarn Jayanti Park in Rohini.

According to officials, the festival aims to promote and encourage employees of Delhi Development Authority. The grassroots level workers get an opportunity to display their skills and healthy competition is promoted among them. Various divisions of DDA's horticulture wing will compete in showcasing the beautiful work done by them. It will be judged by a learned jury.

The event, starting Sunday, is named 'Palaash' after the flower butea monosperma, which blooms in the capital during this time. Palaash is also known as the 'flame of the forest' because of its bright and invigorating fire-like blossoms. While appreciating the flora put on display, Saxena said this festival was a step towards making Delhi a 'city of flowers'. There will be also be an exhibition of various flowers at the festival.

The event is expected to capture big crowds. Visitors will also get insights into the efforts being made by DDA to fight pollution and to beautify the capital, said officials. TNN

MP arranges talks to listen to locals

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: East Delhi MP Gautam Gambhir on Saturday organised a dialogue between the residents and the officers of various government agencies in Madanpur Khadar in order to solve the grievances of people living in his constituency.

Officers of various government agencies such as MCD, DDA, local police, traffic police, PWD, power discom, Jal board, DUSIB, food and civil supplies and the sub-divisional magistrate were present at the event, which was named 'Gautam Connect'.

Among the major problems raised by the residents were the supply of contaminated water, broken roads and sanitation. While some of the issues raised by the residents were provided with a solution during the meeting itself, in some cases, the officials asked for some time and promised to find a resolution in a time-bound manner.

Residents told Gambhir that they had been facing the problem of drinking water for several years. The MP promised to raise the issue with top officials of the Delhi Jal Board and find a permanent solution to the problem. "I have always been a firm believer in transparency. This requires sitting face to face and speaking directly with the people who elected me," Gambhir said.

According to close aides of the MP, more than 100 such meetings have been held in the past 3.5 years and more such events were planned in all assembly constituencies falling under the East Delhi parliamentary area.

Gambhir said several major issues identified through a dialogue with the residents and provided a solution included renovation of Yamuna Sports Complex, setting up community kitchens, libraries and smog towers apart from basic civic amenities such as sanitation and roads.

He added that reducing the height of the Ghazipur landfill site by disposing of the legacy waste was one of the major works done in his area.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPE संडे नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । 26 फरवरी 2023 -DATED----------

फूलों के शौकीनों के लिए पलाश उत्सव शुरू

पाम, एस्टर, मैरीगोल्ड, लिली समेत कई फूलों की खूबसूरती यहां बसी है

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

फूलों के शौकीनों के लिए रोहिणी के स्वर्ण जयंती पार्क में शनिवार को 'पलाश उत्सव' शुरू हुआ। डीडीए के हॉर्टिकल्चर विभाग के अलग-अलग डिविजन रोहिणी, सेक्टर 10 के इस पार्क में यह उत्सव आयोजित कर रहे हैं। एलजी विनय कुमार सक्सेना ने पलाश उत्सव का उद्घाटन किया। इस मौके पर डीडीए के वाइस चेयरमैन शुभाशीष पांडा समेत डीडीए के कई अधिकारी भी मौजूद रहे।

दो दिन के इस फेस्ट में कई लोग परिवार के साथ फूलों का लुत्फ उठाने पहुंचे। जिरेनियम, फर्न, पाम, एस्टर, मैरीगोल्ड, लिली समेत कई प्रजाति के फूलों की खूबसूरती यहां बसी है। यह फूलों का उत्सव लाल रंग के पलाश फूल के नाम पर है, जो इस मौसम में खिलता है। इस उत्सव के साथ स्वर्ण जयंती पार्क और डीडीए के पार्कों में 11 कैटेगरी में फूलों की प्रदर्शनी का जूरी निरीक्षण करेगी। संस्कृति मंत्रालय की ओर से कई लोक प्रस्तुतियां भी यहां हो रही हैं। बच्चों के लिए पेंटिंग कॉम्पिटिशन और मिट्टी के बर्तन बनाने समेत कई एक्टिविटी का मजा भी यहां मिलेगा। साथ ही, भारत के अलग अलग इलाकों का स्वाद भी फूड कॉर्नर में लिया जा सकता है।

नेचर का लुत्फ

- दो दिन के फेस्ट का एलजी ने किया उद्घाटन
- डीडीए के हॉर्टिकल्चर विभाग के अलग-अलग डिविजन रोहिणी, सेक्टर 10 के इस पार्क में यह उत्सव कर रहे हैं आयोजित

लोगों ने सांसद के सामने रखीं समस्याएं

■ स, नई दिल्ली : पूर्वी दिल्ली से बीजेपी सांसद गौतम गंभीर ने अपने संसदीय क्षेत्र के मदनपुर खादर इलाके के लोगों के साथ गौतम कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में डीडीए, पुलिस समेत विभिन्न विभागों के आला अधिकारी भी मौजूद थे। कार्यक्रम में लोगों ने गंदे पेयजल, टूटी सड़कों, सफाई जैसी मूलभूत समस्याएं उठाईं और उन्हें सुलझाने का अनुरोध किया। गंभीर ने वहां मौजूद अधिकारियों से कहा कि लोगों की समस्याओं को तुरंत दूर करने के उपाय किए जाएं।

जयंती समारोह आज

■ आरके पुरम: देवघर में सत्संग के संस्थापक श्री श्री ठाकुर अनुकूलचंद्र की 135वीं जयंती का आयोजन 26 फरवरी को आरके पुरम, सेक्टर 7-8 के सामने डीडीए पार्क में किया जाएगा। सुबह 6:58 बजे से रात 8 बजे तक प्रार्थना, कीर्तन, भजन, भक्ति गीत, प्रवचन, मातृ सम्मेलन, मेडिकल कॉन्फ्रेंस, भंडारा सहित एक दिन का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। ठाकुर अनुकूलचंद्र के प्रपौत्र डॉ. अनिंद्यद्युति चक्रवर्ती भी इस समारोह में शामिल होंगे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 27 फरवरी 2023

RS----------DATED------ नई दिल्ली, 27 फरवरी, 2023 दैनिक जागरण

क्यों खड़ा हुआ महरौली में अवैध निर्माण का विवाद, फॉरेस्ट एरिया में कैसे बन गईं बिल्डिंगें?

■ राम त्रिपाठी, महरौली

लड्डा सराय फॉरेस्ट एरिया में बनी प्रॉपर्टियों का विवाद क्या है? फॉरेस्ट एरिया कहां और कितना है? समस्या का समाधान है या नहीं? जैसे कई सवाल महरौली और उसके आसपास के इलाकों में चर्चा का विषय बने हुए हैं। इन्हें लेकर ढेरों गलत जानकारियां भी सुनाई दे रही हैं। प्रभावित लोगों को मिल रहीं गलत और आधी-अधूरी जानकारी उनकी परेशानी को और बढ़ा रही है। इसे लेकर एनबीटी ने डीडीए के अधिकारियों से बात कर जानकारी हासिल की।

विवाद की जगह गांव लड्डा सराय के फॉरेस्ट एरिया की करीब 200 एकड़ जमीन है, जो महरौली के पश्चिम में है। इसे आर्कियोलॉजिकल पार्क बताया जा रहा है। इसी के साथ गांव महरौली की जमीन है। वहां पहले से रिहायशी बसावट है। इसमें अंधेरिया मोड़ से भूली भटियारी तक की जमीन आती है। वॉर्ड नं. 1, 7 और 8 इसमें आते हैं। वॉर्ड नं. 8 में आने वाले फॉरेस्ट एरिया पर अवैध कब्जे के सबसे अधिक मामले हैं। वॉर्ड नं. 1 और 7 की कुछ प्रॉपर्टियों का 30 से 70 फीसद हिस्सा फॉरेस्ट एरिया में आता है।

विवाद की शुरुआत खसरा नं. 1151/3 के नाम पर हुई रजिस्ट्री से हुई। यह खसरा वहां के सबसे बड़े क्षेत्रफल वाले खसरों में से एक है। करीब 580 बीघा का यह खसरा गांव महरौली का है, लेकिन बिल्डरों ने लड्डा सराय की जमीन पर बिल्डिंग बनाकर लोगों को बेच दी। उन प्रॉपर्टियों की रजिस्ट्री में खसरा 1151/3 दर्ज है।

डीडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार के रेवेन्यू विभाग ने फॉरेस्ट एरिया का डिमार्केशन कोर्ट के निर्देश पर किया था। डीडीए ने काफी पहले से इस काम को करने के लिए कहा हुआ था। 2017 में कोर्ट में डिमार्केशन की अधूरी रिपोर्ट जमा कराने पर कोर्ट ने पूरी जानकारी मांगी थी। रेवेन्यू विभाग ने 12 दिसंबर 2021 को फाइल कोर्ट में जमा कराई थी। 2016-17 से अवैध कब्जों का सिलसिला तेज हुआ था। डीडीए की पुलिस से शिकायत पर संपत्ति मालिक रजिस्ट्री दिखा देते थे। डीडीए के पास उन रजिस्ट्री में दर्ज खसरा नंबर को चुनौती देने का कोई सबूत नहीं था। डिमार्केशन के बाद ही पुख्ता सबूत मिले हैं कि रजिस्ट्री में दर्ज खसरा गांव महरौली का है। जबकि प्रॉपर्टी लड्डा सराय में बना रखी है, जो अवैध है। डीडीए ने उन्हीं प्रॉपर्टियों के खिलाफ कार्रवाई की है जिसे फिलहाल रोक दिया गया है।

आगे होगा एक्शन : डीडीए अधिकारी ने बताया कि आदेश मिलने पर आने वाले वक्त में भी डीडीए उन्हीं प्रॉपर्टियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी, जो फॉरेस्ट एरिया में बनाई गई हैं। डिमार्केशन में उनकी पहचान हो चुकी है।

अवैध निर्माण पर चला था बुलडोज़र, फिलहाल कार्रवाई पर लगी है रोक

'डिमार्केशन गलत नहीं'

डीडीए के अधिकारी के अनुसार, डिमार्केशन गलत नहीं है। यहां स्थित कुतुब मीनार और भूली भटियारी आदि स्मारक 1500 साल तक पुराने हैं। उनका रिकॉर्ड है, उनके आधार पर भी मार्किंग की गई है। डिमार्केशन पर डीएम के साइन हैं। राजनेताओं के अलावा उसे सरकार के किसी विभाग ने गलत नहीं बताया है।

लाजवंती गार्डन : खराब लाइट ठीक की गई, रोशन हुई सड़क

■ एनबीटी न्यूज, लाजवंती गार्डन

साउथ वेस्ट दिल्ली के लाजवंती गार्डन के पास बिजली घर के पोल की लाइट को संबंधित प्रशासन ने ठीक कर दिया है। जबकि नांगल राया स्थित डीडीए कॉम्प्लेक्स की लाइट अभी ठीक नहीं हुई है। वहीं समस्या का समाधान होने से राहगीरों ने राहत की सांस ली है। एनबीटी में छपी खबर का असर कुछ दिन बाद हुआ।

दरअसल, नांगल राया व लाजवंती गार्डन में हाई मास्ट व स्ट्रीट लाइट काफी समय से बंद पड़ी हुई थी। ऐसे में स्थानीय निवासी डर के कारण पार्कों में नहीं जाते थे। इस समस्या को लेकर लोगों ने कई बार संबंधित प्रशासन से शिकायत की। लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई। फिर जनकपुरी एनबीटी सुरक्षा ग्रुप से जुड़े राजकुमार और राज पाल तंवर ने एनबीटी को इस बात की जानकारी दी। बताया कि लाजवंती गार्डन स्थित बिजली घर व इसके पास की स्ट्रीट लाइट काफी समय से बंद पड़ी हुई है। इसके साथ ही नांगल राया स्थित डीडीए कॉम्प्लेक्स में भी लाइट खराब है। उसके बाद एनबीटी ने इस खबर को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया। खबर छपने के कुछ दिन बाद ही संबंधित विभाग की तरफ से एक्शन लिया गया और लाजवंती गार्डन बिजली घर के पास की लाइट को ठीक कर दिया गया।

एनबीटी ने **प्रमुखता** से छापी थी **खबर**

साल के अंत तक खेल योजनाओं का मिलेगा लाभ : डीडीए

राब्यू, नई दिल्ली : शारीरिक फिटनेस के महत्व को समझते हुए डीडीए रेसलिंग, वेट लिफ्टिंग, बाक्सिंग, जूडो, कबड्डी, टेनिस, शूटिंग, फुटबाल और हाकी जैसे कई खेलों के लिए सेंटर फार एक्सिलेंस विकसित कर रहा है। द्वारका सेक्टर-24 में एक पब्लिक गोल्फ कोर्स भी विकसित किया जा रहा है, जिसके दिसंबर 2023 तक पूरा होने की संभावना है। साथ ही द्वारका सेक्टर-आठ में रेसलिंग, बाक्सिंग, जूडो-कराटे के लिए उत्कृष्टता केंद्र बनाया जा रहा है, जबकि द्वारका सेक्टर-23 में हाकी और फुटबाल के लिए सेंटर फार एक्सिलेंस विकसित किया जाएगा। द्वारका के सेक्टर-19 में टेनिस और शूटिंग के लिए सेंटर फार एक्सिलेंस विकसित किया जा रहा है। इन सभी परियोजनाओं के इस साल के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

डीडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन सब के अलावा रोहिणी सेक्टर-33 में एक्वेटिक्स के लिए सेंटर फार एक्सिलेंस बनाया जाएगा, जिसके अगले साल के मध्य तक पूरा होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त सेक्टर ए-सात नरेला में एथलेटिक्स के लिए सेंटर फार एक्सिलेंस की स्थापना की जाएगी। सेक्टर 34 रोहिणी में एक अन्य खेल परिसर भी विकसित किया जा रहा है। द्वारका से सेक्टर-19 बी में पीपीपी मोड पर मल्टी स्पोर्ट्स एरिना प्रक्रियाधीन है। ये मेगा प्रोजेक्ट है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

Hindustan Times
NEW DELHI
MONDAY
FEBRUARY 27, 2023
----------DATED----------

Urgent action needed on urban development: KP Singh

Rajeev Jayaswal
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Indian economy may cross the $5 trillion mark even earlier than envisaged because of the "dynamic" leadership of Prime Minister Narendra Modi, but it urgently needs to shun the mid-50s socialist urbanisation policy of "thinking small, and managing shortages" and plan big, said DLF Ltd chairman emeritus KP Singh, who received the the EY Lifetime Achievement Award last Thursday.

An economy that size requires scores of new cities, he added, and, right now, the law does not exactly favour creating them.

DLF, under Singh, is widely credited with building Gurugram, which, over the past three decades has become home to the Indian HQs of many Fortune 500 companies, an IT and start-up hub, and a preferred residential destination dotted with high-end condos (including many built by DLF).

Singh, who spoke to Hindustan Times on the occasion of his recognition by EY, as part of its annual Entrepreneur of the Year award, rued that the current policy regime for real estate precludes the creation of another Gurugram. There was nothing like it before, and there will likely not be another like it again, he said in an interview at DLF's Delhi HQ in Parliament Street, the large floor-to-ceiling windows in his room overlooking the iconic Jantar Mantar in the heart of the capital.

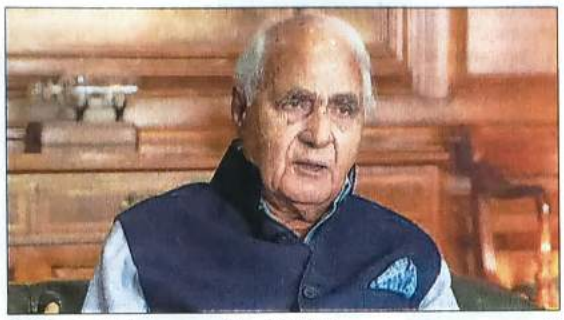

KP Singh, chairman emeritus, DLF Ltd. HT

Rapid urban development must keep pace with the growth, which needs the government to rethink its land policy, Singh said.

"The government has to have power to acquire land. If they don't have the power to acquire land for industry and for townships, then how can you have [them]? Today they can pass the law, they have majority in both places [the two Houses of Parliament]," he said. Land acquisition is a tough and often treacherous process in India, and the nature of landholdings and ownership makes the acquisition of large contiguous swathes of land for large projects next to impossible.

That could cripple India's economic journey, Singh indicated, adding that urbanisation has to "stay ahead of growth". And there's no way that can happen unless the government steps in, Singh emphasised.

"I'm saying this, today I'm not an executive. But at the fag end of my life, I do believe I don't want to abdicate the responsibility of highlighting what I have found," he said. "...it is a thing is to know what has not happened and what should happen. And fortunately, we are blessed with a dynamic government today."

Singh said the government should plan cities the way Noida was planned. "I would urge the government to follow the Noida example where the government acquired the land and auctioned it out to eligible people. But they have to be careful [in selection criteria of developers]... The government role becomes that of an enabler, facilitator, leaving the execution side to the private sector. What is a DDA? DDA is an enabler, facilitator and an executor. How can you do three things? It's not possible. See the result. Who is suffering? The public."

Singh spoke of how DLF exited the real estate business in the 1950s, as the government made it difficult for developers to acquire land in cities. In the 1980s, he said, he was able to build Gurugram because it was not considered an urban area. But it still took considerable effort for him to acquire individual plots of land (usually on credit from landowners with whom he dealt directly), aggregate them, and then convince the government of the day to grant him permission to build high-rises in a region that had been traditionally averse to them. Delhi, for instance, is largely low-rise. And then, Singh added, he had to work with the government again to build infrastructure, sometimes doing it himself.

Gurugram's high-quality commercial real estate encouraged corporations based in Delhi's crowded business centres such as Nehru Place to move out; General Electric's (GE's) decision to house its back office in the satellite city made it a magnet for IT and back office services companies; and its high-end condos attracted professionals and executives starved of similar options in the Capital. Everything came together.

It will be difficult for private developers to build a similar city now, Singh said, explaining that this was his logic for arguing that the government should modify the law so that it can acquire land and auction it out to real estate developers.

Looking back at his career, Singh summed up his learnings by quoting his friend, the legendary Jack Welch, who served as chairman and chief executive officer of GE from 1981-2001: "Lessons learnt by me for my past actions or policy failures have always given me an opportunity to begin again more intelligently."

NewDelhi

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
MONDAY, FEBRUARY 27, 2023

DDA to open 3 centres of excellence by yr-end

New Delhi: Working towards creating better sports facilities in the city, the Delhi Development Authority (DDA) has intensified work at its six centres of excellence, each of which specialises in two to three sports.

The authority plans to make three of these centres operational by the end of this year, said officials.

"The centres of excellence are being developed for many sports such as wrestling, weightlifting, boxing, judo, kabaddi, tennis, shooting, football and hockey. In Sector-8 Dwarka, a centre for excellence for wrestling, boxing, judo and karate is being developed, while another centre for excellence for hockey and football is coming up at Sector-23 Dwarka. At Sector-19 Dwarka, a similar centre for tennis and shooting is being developed. All these projects are planned to be completed by the end of this year," said the official.

A public golf course in Sector-24 Dwarka is also likely to be completed by December 2023.

"Further, the centre of excellence for aquatics is coming up at Sector-33 Rohini, which is likely to be completed by the middle of next year. Work is in progress at the centre for excellence in athletics at Sector A-7 Narela and a sports complex at Sector-34 Rohini," an official said. TNN

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 27 फरवरी 2023

इसी साल मिलेंगे खेलों के कई एक्सिलेंस सेंटर

कई खेलों के लिए डीडीए दिल्ली के कई इलाकों में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस खोलेगा

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में खेलों को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) इस साल के आखिर तक कई स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट पूरे करेगा। रेसलिंग, वेटलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, हॉकी, फुटबॉल समेत कई खेलों के लिए डीडीए दिल्ली के कई अलग-अलग इलाकों में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस खोलेगा। दावा है कि ये सभी मेगा प्रोजेक्ट न सिर्फ खेलों को बढ़ावा देंगे, बल्कि भविष्य के चैंपियंस और राष्ट्र की युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने में बड़ा योगदान देंगे।

डीडीए की ओर से बताया कि रेसलिंग, वेटलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, जूडो, कबड्डी, टेनिस, शूटिंग, फुटबॉल और हॉकी जैसे कई खेलों के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस बनाए जा रहे हैं। द्वारका सेक्टर-24 में पब्लिक गोल्फ कोर्स तैयार किया जा रहा है, जो दिसंबर तक पूरा हो सकता है। इसके अलावा, द्वारका के सेक्टर-8 में रेसलिंग, बॉक्सिंग, जूडो/कराटे के लिए एक्सिलेंस सेंटर बनाया जा रहा है। द्वारका सेक्टर-23 द्वारका में हॉकी और फुटबॉल के लिए सेंटर फॉर एक्सिलेंस विकसित किया जाएगा। द्वारका सेक्टर-19 में टेनिस और शूटिंग के लिए एक्सिलेंस सेंटर बनाया जा रहा है। डीडीए का कहना है कि ये सभी परियोजनाएं इस साल के आखिर तक पूरी कर ली जाएंगी।

मिलेगा फायदा

- DDA के कई मेगा प्रोजेक्ट होंगे पूरे, दिसंबर तक डेडलाइन
- रेसलिंग, वेटलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, हॉकी, फुटबॉल समेत कई खेलों के लिए प्रोजेक्ट

कई प्रोजेक्ट 2024 तक होंगे तैयार

डीडीए अधिकारियों ने बताया कि रोहिणी सेक्टर-33 में एक्वेटिक्स के लिए सेंटर फॉर एक्सिलेंस बनाया जाएगा। इसकी अगले साल के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है। नरेला के सेक्टर ए/ में एथलेटिक्स के लिए एक्सिलेंस सेंटर बनाया जाएगा। रोहिणी के सेक्टर 34 में एक और खेल परिसर भी बनाया जा रहा है। द्वारका के सेक्टर-19बी में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर इंटिग्रेटेड मल्टी-स्पोर्ट्स एरिना भी पाइपलाइन में हैं।

हिन्दुस्तान

सुविधा : द्वारका में इसी वर्ष शुरू होंगे दो स्टेडियम

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारका में खेल सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। यहां दो खेल स्टेडियम इसी साल के अंत तक शुरू करने का दावा किया जा रहा है। जबकि, एक मल्टी स्पोर्ट्स एरिना अगले साल तक तैयार हो जाएगा।

डीडीए के मुताबिक, सभी खेल परिसर अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर विकसित किया जाएगा। इसके अलावा रोहिणी में भी दो खेल स्टेडियम विकसित करने का काम जारी है। द्वारका सेक्टर-24 में एक सार्वजनिक गोल्फ कोर्स दिसंबर 2023 तक तैयार हो जाएगा। सेक्टर-8 में रेसलिंग, बॉक्सिंग, जूडो/कराटे खेलों के लिए एक केंद्र विकसित किया जा रहा है। सेक्टर-19 में टेनिस और शूटिंग के लिए एक खेल केंद्र तैयार होगा।